रिक्तांशान् पूरयत।

(नक्षत्रगणसहिता रात्रिः) ——— मन्दं मन्दं गच्छति। तापितकनकारुणकिरणः ——— (दिनकरः) अभ्यागच्छति। अत्र ——— (स्वापं) त्यक्त्वा ——— (स्वकीयशय्यायाः) समुत्थितः अस्मि। प्रथमं ——— (लोकनाथस्य) पादस्मरणं करोमि। मातापितरौ ——— (चेतसा) नत्वा बहिरागच्छामि। प्रभातसन्ध्यासुन्दरदृश्यं ——— (अत्यन्तं) पश्यामि। ——— (भ्रमराः) ——— (ससन्तोषं) ——— (पुष्पात् पुष्पं) गत्वा मधुरं पिबन्ति। ——— (कुक्कुटः) सन्तुष्ट्या प्रभातभूपालं ——— (आलपति)।